

अध्यक्ष महोदय : मैं सीक्रेट बता चुका हूँ ।

Shrimati Renu Chakravarty: You have given the sequence. I was under the impression that Mr. Madhu Limaye had raised a point of order on a point of order. If the sequence is what you have described, then Mr. Limaye has every right to raise a point of order, and I think we have to listen to it, and you have to listen to it, and I think if that is correct, then you should ask him to come back, if this is the sequence.

डा० राज मनोहर लोहिया : मैं आपके सामने एक प्रश्न कर रहा हूँ । मैं कायदे कानून में नहीं जा रहा हूँ । मैं प्रश्न यह कर रहा हूँ कि आप मधु लिमये साहब को वापस बुला लीजिये । फ्रैंक एन्थनी साहब ने जो कुछ फ्रैंसले वहाँ पर कहे हैं उनका वर्तमान विषय से कोई सम्बन्ध नहीं है । उन फ्रैंसलों से यह साबित नहीं होता है कि किसी विद्यार्थी को मजबूर किया जा सकता है एक भाषा चुनने के लिये । उन फ्रैंसलों का खाली मतलब यह है कि वहाँ पर पढ़ाई अंग्रेजी में होगी । इसलिए बिल्कुल गलत तरीके से उन्होंने वक्त इस्तेमाल किया है । मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि मधु लिमये साहब को आप वापस बुला लें ।

अध्यक्ष महोदय : दो बातों को आपस में कनफ्यूज न किया जाए । अथवा तो यह सवाल हो कि मैं ने गलती की है उनको निकाल कर और मैं उसका पश्चाताप करके उनको वापस बुलाऊँ तो वह मैं करने के लिए तैयार नहीं हूँ ।

Whatever the consequences. I am prepared to suffer.

डा० राज मनोहर लोहिया : यह मैं नहीं कह रहा हूँ ।

अध्यक्ष महोदय : अगर ऐसा कोई सवाल नहीं है और दूसरा सवाल है कि हाउस की राय है कि उनको इजाजत दी जाए तो मुझे उसमें कोई ऐतराज नहीं है ।

Shri P. C. Boroah.

Shri Frank Anthony: May I conclude?

अध्यक्ष महोदय : अब रहने दीजिये ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

मंत्रालयों का पुनर्गठन

* 1696. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मंत्रालयों/विभागों का सुव्यवस्थित आधार पर स्थायी रूप से पुनर्गठन करने के प्रश्न पर उन्होंने विचार किया है ;

(ख) क्या उनका ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि मंत्रालयों/विभागों के प्रशासनिक ढाँचे में बार-बार परिवर्तन से सुचारु रूप से कार्य-संचालन में बाधा पड़ती है

(ग) क्या यह सच है कि कुछ मंत्रालय काफी बड़े हैं किन्तु अन्य मंत्रालय छोटे-छोटे हैं ; और

(घ) यदि हाँ, तो क्या सरकार का विचार विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को सुव्यवस्थित आधार पर कब तक पुनर्गठित करने का है ?

प्रधान मंत्री तथा अनु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गाँधी) : (क) से (ग) . नीति तथा प्रशासनिक कार्य-क्षमता की आवश्यकताओं के अनुरूप मंत्रालयों एवं विभागों का समय-समय पर पुनर्गठन किया जाता है । ऐसी स्थिति में यह निश्चित करना संभव नहीं है कि सभी मंत्रालयों एवं विभागों का कार्य-भार समान ही हो । हाल में ही कई एक मंत्रालयों एवं विभागों को उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के अनुसार पुनर्गठित किया गया । मंत्रालयों की संरचना, संगठन तथा कार्यविधि से सम्बद्ध मामलों की समीक्षा भी की गई और वैज्ञानिक आधार पर एक मंत्रालय में पुनर्गठन की एक नवीन योजना लागू की गई है । इस प्रकार के परिवर्तन

प्रशासनिक कार्य-क्षमता, मितव्ययिता तथा कार्य की गतिशीलता को ध्यान में रख कर किये गये हैं। सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि उन परिवर्तनों के कारण सुचारू रूप से कार्य-मंचालन में किसी प्रकार की बाधा पड़ी है।

(घ) ज्ञान में ही गठित प्रशासनिक सुधार आयोग अन्य बातों के साथ-साथ मंत्रालयों तथा विभागों में विषयों के वर्गीकरण, कर्मचारी वर्ग के गठन तथा कार्य-विधि से सम्बद्ध मामलों की जांच करेगा। इस विषय में आयोग द्वारा की गई सिफारिशों पर सरकार विचार करेगी।

Memorial for Jawans in Delhi

*1697. **Shri Ramachandra Ulaka:**
Shri Dhuleshwar Meena:

Will the Minister of Defence be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 657 on the 21st March, 1966 and state:

(a) whether the scheme to raise a memorial in Delhi in the memory of the Jawans of the Armed Forces who laid down their lives for the defence of the country has since been considered by Government; and

(b) if so, the details thereof?

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): (a) and (b). The scheme is still under consideration.

Foreign Exchange Allotted to Delegation of Communist Party visiting U.S.S.R.

*1698. **Shri Kappen:** Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether Government have allowed the visit of a number of delegations of the Communist Party of India to Moscow for holding ideological discussions with the Soviet Communist Party leaders; and

(b) how many Indian Communists were given permission to visit the Soviet Union during the last one year for medical treatment or for other purposes?

The Minister of External Affairs (Shri Swaran Singh): (a) On an invitation of the Central Committee of the Communist Party of the Soviet Union, a 6-member delegation of the Communist Party of India visited the Soviet Union in March-April, 1966 to attend the 23rd Congress of the Communist Party of the Soviet Union. On another invitation from the Central Committee of the Communist Party of the Soviet Union, 9-member delegation of the Communist Party of India went to Moscow in April, 1966 for bilateral talks with the Communist Party of the Soviet Union. Necessary facilities were extended to the members of the delegations for their visit.

(b) During the last one year 70 members of the Communist Party of India were permitted to visit the Soviet Union including 27 persons for medical treatment.

Netaji Jayanti Celebrations

*1699. **Shri Hari Vishnu Kamath:** Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to refer to reply given to Starred Question No. 817 on the 28th March, 1966 regarding Netaji Jayanti celebrations and state:

(a) whether the advice of the Central Programme Advisory Committee was sought in April;

(b) if so, what advice was tendered; and

(c) the decision of Government in the matter?

The Minister of Information and Broadcasting (Shri Raj Bahadur): (a) Yes, Sir.

(b) and (c). The Central Programme Advisory Committee generally approved the pattern followed by All India Radio in the matter of observance of anniversaries of various national leaders. However, in view of the special importance of the matter, the Government have also had the benefit of the views of some Hon'ble Members of Parliament belonging to different political parties at an informal meeting on the 11th May, 1966. As a result of discussions which took place